This question paper contains 4 printed pages.]

1046A आपका अनुक्रमांक .....

B.Com. (Hons.) / II Sem. **B**

Paper CP 2.5 – HINDI LANGUAGE (B)

प्रश्न-पत्र CP 2.5 – हिन्दी भाषा (ख)

(प्रवेश-वर्ष 2011 और तत्पश्चात्)

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक : 75*

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।*

1. राष्ट्र भाषा से क्या अभिप्राय है, स्पष्ट कीजिए। 5

अथवा

कार्यालयी पत्र लेखन की विशेषताएँ बताइए।

2. हिन्दी की किन्हीं दो बोलियों का सामान्य परिचय दीजिए। 5

अथवा

विषय परिवर्तन हेतु प्राचार्य को आवेदन पत्र लिखिए।

3. (क) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **पाँच** शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए : 2½

राष्ट्रिय, विघालय, प्रभू, ग्यान, आशींवाद, उद्देशय, अहार।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **पाँच** वाक्यों को शुद्ध कीजिए।

1. यह घी की शुद्ध दुकान है।
2. एक फूलों की माला लाओ।
3. मैं पत्र लिखा।
4. तुमने कहाँ जाना है।
5. वह रोता-रोता बोला।
6. तुम्हें सब काम करना होंगे।
7. पारस ने कुछ देर पर कहा। 2½

4. किन्हीं **पाँच** मुहावरे और लोकोक्तियों के अर्थ लिखिए :

हवा हो जाना, सिक्का जमाना, हाथ धोकर पीछे पड़ना, बाल-बाल बचना, सहज पके सो मीठा होय, मान न मान मैं तेरा मेहमान, एक ही थैली के चट्टे-बट्टे। 5

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

इच्छा होती है स्वजनों को
एक बार वन ले आऊँ
और यहाँ की अनुपम महिमा

उन्हें घुमाकर दिखलाऊँ।

विस्मित होंगे देख आर्य्य को
वे घर की ही भाँति प्रसन्न,
मानों वन-विहार में रत हैं
ये वैसे ही श्रीसम्पन्न।

अथवा

किस व्रत में है व्रती वीर यह
निद्रा का यों त्याग किये
राज भोग्य के योग्य विपिन में
बैठा आज विराग लिये।
बना हुआ है प्रहरी जिसका
उस कुटीर में क्या धन है,
जिसकी रक्षा में रत इसका
तन है, मन है, जीवन है। 10

6. 'पंचवटी' खण्डकाव्य के आधार पर सीता का चरित्र चित्रण कीजिए।

अथवा

'पंचवटी' खण्डकाव्य का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। 12

7. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

ऐसा ही लाल-लाल खूनी प्रभात वह था, जिसमें मेरे जीवन का सूर्य सदा के लिए अस्त हो गया। देश-भक्ति के अन्ध उन्माद ने, न्याय के निष्ठुर अभिमान ने, एक दिल की हरी-भरी बस्ती को जलता हुआ मरुप्रदेश बना दिया। इच्छा होती है, चोट खाई हुई नागिन की भाँति फुफकार कर संपूर्ण मेवाड़ को डस लूँ।

अथवा

प्यारी बहनो ! हमारे अवशिष्ट वीर राज-बलि देने जा रहे हैं। उनके प्राणों में अपने कुटुम्बियों का मोह शेष न रह जाये, मौत के अतिरिक्त उनका कोई संबंधी न बच रहे, वे निर्मोही होकर, पागल होकर युद्ध कर सकें, इसलिए उनके जाने के पूर्व ही हमें अपने अस्तित्व को जौहर की ज्वाला में समाप्त कर देना है। 9

8. 'रक्षाबन्धन' नाटक के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए।

अथवा

हुमायूँ के चरित्र की विशेषताएँ बताइए। 12

9. उपन्यास के तत्त्वों की दृष्टि से 'कर्मभूमि' की विशेषताएँ बताइए।

अथवा

सुखदा का चरित्र-चित्रण कीजिए। 12